जिंदल इंस्टीट्यूट ने शिक्षकों को किया प्रभावी शिक्षण दक्षता से लैस

- विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल सहित 80 से अधिक भागीदार शामिल

जमशेदपुर : एनसीआर स्थित ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) की शोध संस्था जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जेआईबीएस) ने शिक्षकों को प्रभावी और अभिनव शिक्षण पद्धतियों से लैस करने और उन्हें तकनीकों तथा साधनों में सक्षम करने के लिए आज प्रिंसिपलों की बैठक और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया.

'स्कूली शिक्षा में स्कूल प्रमुखों के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षण कार्यों की पहचान' पर आयोजित चार घंटे का यह दक्षता विकास कार्यक्रम बेल्डिह क्लब में आयोजित किया गया. इसमें जमशेदपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में मौजूद स्कूलों के शिक्षकों और प्रिंसिपल्स सहित 80 से अधिक भागीदारों ने हिस्सा लिया.

प्रिंसिपल की बैठक और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. संजीव पी. साहनी ने किया जो जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू), सोनीपत में जेआईबीएस के प्रमुख निदेशक, 'सेंटर फॉर इनोवेटिव लीडरशिप एंड चेंज' के निदेशक तथा जेजीयू में वाइस चांसलर के सलाहकार हैं. जेआईबीएस की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सुश्री पायल चौकर भी कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता थीं. कोर्स का उद्देश्य शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण दक्षताओं से लैस करना, छात्रों को शैक्षणिक उपलब्धि पाने के लिए खुद मार्ग प्रशस्त करने के अवसर प्रदान करने के साथ ही सहयोग एवं सामाजिकता की भावना भी विकसित करना है.

इस मौके पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के मानव संसाधन निदेशक नीतू मिश्रा, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मानव संसाधन के सहायक निदेशक सुश्री दीपमाला चौधरी तथा ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में एडमिशन एवं आउटरीच के डिप्टी मैनेजर पवन सिंह शामिल थे. जेआईबीएस की ओर से स्कूली शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों की शृंखला में प्रीस्कूल से उच्च शिक्षा तक के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट, परफ मिंग विकास, निश्चयात्मक शिक्षण, सकारात्मक मनोविज्ञान, शिक्षण अक्षमताएं, अटेंशन डेफि सिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी), एंगर मैनेजमेंट प्रोग्राम, शरारती बच्चों/किशोरों से निपटना और बच्चों की विकासात्मक जरूरतों को शामिल किया गया है.